RASHTRIYA SAHARA PAGE 6

उच्च शिक्षा तक सबकी पहुंच करें सुनिश्चित : राज्यपाल

लखनऊ (एसएनबी)। प्रदेश की सभी उच्च शिक्षण संस्थाएं शिक्षा प्रणाली में वदलाव करते हुए उच्च शिक्षा तक सबकी पहुंच सुनिश्चित करें। यह वात वुधवार को प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीवेन पटेल ने राजभवन से लखनऊ विश्वविद्यालय के स्लेट, कम्यूनिकेशन, रिक्रूटमेंट, आटोमेशन ऑफ सेलरी सिस्टम, काउंसिलिंग एवं अनलॉक पोर्टल सहित अभियांत्रिकी संकाय में स्थापित कम्प्यूटर सेन्टर का ऑनलाइन उद्घाटन करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि इसके साथ ही वे वैश्विक मंचों पर आर्थिक विकास, सामाजिक विकास, समानता और पर्यावरण की देखरेख, वैज्ञानिक उन्नति और सांस्कृतिक संरक्षण के नेतृत्व का समर्थन करें।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 तथा राज्य की उच्च शिक्षण संस्थाओं से अपेक्षाएं' विषय पर आयोजित ई-संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि उच्चतर शिक्षा प्रणाली में शिक्षण तथा पठन-पाठन ऐसा होना चाहिए जो विद्यार्थियों में अन्वेषण, समाधान, तार्किकता और रचनात्मकता विकसित करें तथा उनमें नई जानकारी को आवश्यकतानुसार उपयोग करने की दक्षता और सोच पैदा करें।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को ऐसी शिक्षा दी जाए जो चरित्र निर्माण, नैतिकता, करूणा और संवेदनशीलता के साथ उनमें संस्कार के भाव भी विकसित करे। राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा के माध्यम से हम सभी को ऐसे विद्यार्थियों को गढ़ना है जो राष्ट्र-गौरव के साथ विश्व-कल्याण की भावना से ओत-प्रोत हों और वे सही मायने में ग्लोवल सिटिजन वन सकें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के विजन के दृष्टिगत उच्च शिक्षा प्रणाली मुख्य रूप से अनुसंधान और उद्योग आधारित कौशल सशक्तिकरण पर केन्द्रित हो, जो विभिन्न क्षेत्रों में युवाओं को अवसर प्रदान करने, उनकी क्षमता के अनुसार प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के साथ रोजगार के लिए मार्ग प्रशस्त करेगा। उन्होंने कहा कि जव विद्यार्थी कौशल विकास करेंगे तो वे स्वयं का उद्यम भी आसानी से प्रारम्भ कर सकेंगे और उससे औद्योगीकरण को वढ़ावा मिलेगा। युवाओं को स्टार्टअप इंडिया में अवसर मिलेगा और वे अपने कौशल का समुचित उपयोग कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश देश का सवसे वड़ा मैन्युफैक्चरिंग हव वनने जा रहा है, जिसका पूरे समाज में एक परिवर्तनकारी प्रभाव पड़ेगा। राज्यपाल ने कहा कि नई शिक्षा नीति में प्रत्येक विद्यार्थी में रचनात्मक सोच, तार्किक निर्णय और नवाचार की भावना को प्रोत्साहित कर उनमें निहित अद्वितीय क्षमताओं को सामने लाना है। उन्होंने कहा कि इस नीति में आनलाइन शिक्षा, डिजिटल शिक्षा, शिक्षा में प्रौद्योगिकी, भारतीय भाषाओं को वढ़ावा, शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण, व्यावसायिक शिक्षा, प्रौढ़ शिक्षा और वित्तपोषण शिक्षा इन सभी पर जोर दिया गया है।

लखनऊ विश्वविद्यालय के विभिन्न पोर्टल एवं अभियांत्रिकी संकाय में स्थापित कम्प्यूटर सेन्टर का किया उद्घाटन

इस अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय, रजिस्ट्रार डा. विनोद कुमार सिंह, विश्वविद्यालय के शिक्षकगण सहित अन्य लोग भी ऑनलाइन जुड़े हुए थे।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 4

NBT PAGE 3

एलयू में शिक्षक भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन

■ एनबीटी, लखनऊः लखनऊ यूनिवर्सिटी में शिक्षक भर्ती के लिए गुरुवार को विज्ञापन जारी होगा। फिलहाल एलयू में शिक्षकों के 180 पद खाली हैं। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर इन पदों पर भर्ती के लिए पहली वार ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू करने की घोषणा की है।

एलयू में साल 2016 में शिक्षकों के करीव 250 पद खाली थे। तत्कालीन वीसी प्रो. एसवी निमसे ने इसके लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू की थी। उनके वाद कुलपति वने प्रो. एसपी सिंह भी भर्ती प्रक्रिया पूरी नहीं कर सके। दोनों वीसी के कार्यकाल में 250 पदों के सापेक्ष महज 100 पदों पर भर्ती हो सकी थी। इसके वाद यूजीसी के नए रोस्टर सिस्टम पर विवाद के कारण भर्ती प्रक्रिया थम गई थी, हालांकि अव शासन ने इस पर रुख साफ कर दिया है।

516 पद शिक्षकों के स्वीकृत हैं
180 पद खाली हैं फिलहाल
38 प्रफेसर के पद खाली
80 असिस्टेंट प्रफेसरों के पद पर भर्ती होनी है
62 असोसिएट प्रफेसरों के पद खाली हैं

i-NEXT PAGE 2

HINDUSTAN PAGE 6 & 7

एलयू में सत्र 2020-21 एमफिल से बंद

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपने एम.फिल पाठ्यक्रम को बंद करने का फैसला लिया है। विश्वविद्यालय प्रशासन की मानें तो नई शिक्षा नीति 2020 में एमफिल की कोई व्यवस्था नहीं है। इसीलिए इसे बंद करने का फैसला लिया गया।

लविवि में इस समय सिर्फ कला संकाय के आठ विभाग में ही एमफिल का संचालन होता है। इनमें सिर्फ हिंदी में चलने वाला एमफिल पाठ्यक्रम रेग्यूलर है। बाकी सभी वित्तविहीन हैं। बीते कई वर्षों से इनमें प्रवेश ही नहीं लिए जा रहे थे । लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि नई शिक्षा नीति में एमफिल है नहीं। इसीलिए इसे बंद करने का फैसला लिया है।

आचार्यों के 180 स्थाई पदों पर भर्तियां होंगी

हिन्दुस्तान जॉब्स

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में नौकरी का तोहफा दिया है। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में आचार्य, सह आचार्य एवं सहायक आचार्य (नियमित) के पदों पर नियुक्ति/चयन के लिए आवेदन मांगे गए हैं।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने बताया कि 180 पदों पर यह नियुक्तियां की जाएंगी। इसके लिए भारतीय नागरिकों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि आवेदन पत्र भरने की अंतिम तिथि 19 अक्टूबर निर्धारित की गई है। नियुक्ति के संबंध में विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट www. lkouniv. ac. in पर अपलोड की गई है अभ्यर्थी करियर मैन्यु सेक्शन में जाकर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

लखनऊ विश्वविद्यालय

- प्रधानमंत्री के जन्मदिन के उपलक्ष में विवि प्रशासन ने दिया तोहफा
- आचार्य, सह व सहायक आचार्य के लिए 19 अक्टूबर तक आवेदन

इन विभागों में नियुक्तियां

अंग्रेजी एवं आधुनिक यूरोपिय भाषाएं, अरबी, अर्थशास्त्र, उर्दू, गणित एवं खगोल विज्ञान, जीव विज्ञान, पाश्चात्य इतिहास, भौतिक विज्ञान, प्रावीन इतिहास एवं पुरातत्व, भूगर्भ विज्ञान, मध्यकालीन इतिहास, मनोविज्ञान, मानव शास्त्र, रसायन विज्ञान, लोक प्रशासन, राजनीति शास्त्र, वनस्पति विज्ञान, वाणिज्य, शिक्षा शास्त्र, हिंदी व अन्य विभागों में नियुक्तियां होंगी।

JAGRAN CITY PAGE III

शिक्षकों के रिक्त पदों को भरने के लिए आज से शुरू होगी प्रक्रिया

● 516 पद शासन की ओर से स्वीकृत, 167 पद शिक्षकों के खाली

वरिष्ठ संवाददाता(vol)

लखनऊ। लविवि में जल्द ही शिक्षकों के खाली पदों को भरने की प्रक्रिया के लिए गुरुवार को विज्ञापन जारी किया जायेगा। इसको लेकर कुलपति ने पहले ही घोषणा कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर लविवि की ओर से पहली बार शिक्षकों की भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू की जायेगी। लविवि में वर्तमान में 172 पद शिक्षकों के रिक्त पड़े हैं। इन्हे भरने के लिए बीते चार साल से प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी चल रही है लेकिन किसी कारणवश यह प्रक्रिया रूक जा रही थी। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने नयी भर्ती प्रक्रिया के बारे में बताया कि इसमें उम्मीदवार बिना किसी समस्या के विवि में विज्ञापित पदों के लिए आवेदन कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि विवि में भर्तियों के लिए अगला विज्ञापन 17 सितंबर को प्रकाशित किया जायेगा।

...तो नियमों में घेरे में फंसी भर्ती प्रक्रिया

शिक्षकों के रिक्त पद
शिक्षकों के कुल पद - 516
शिक्षकों के रिक्त पद - 172
प्रोफेसर के रिक्त पद - 37
असिस्टेंट प्रोफेसर के रिक्त पद - 75
एसोसिएट प्रोफेसर के रिक्त पद - 60

पिछली बार विवि में शिक्षकों के भर्ती के लिए जारी हुए यूजीसी के नए रोस्टर को लेकर विवाद हो गया था। जिस पर कई लोगों ने तीन चीजों को लेकर आपत्ति जतायी है। पहली आपत्ति आरक्षण का नियम कुल पदों पर या फिर खाली पदों पर लगाया जाये, दूसरी आपत्ति सवर्ण आरक्षण के तहत किस तरह से लाभ दिया जाए, अगर दसवीं सीट को सवर्ण आरक्षण में दिया जाता है तो एक सीट का नुकसान होगा। वहीं, तीसरी आपत्ति एसोसिएट प्रोफेसर और प्रोफेसर पदों पर भर्ती के लिए ईडब्लूएस का लाभ दिया जाए या नहीं क्योंकि इन पदों पर जो अनुभव मांगा जाता है वह अभ्यर्थी सवर्ण आरक्षण के नियमों से बाहर होता है। अब शासन ने रोस्टर के नियम पर रूख स्पष्ट कर दिया है। नये कुलपति ने नियुक्ति के तुरंत बाद ही शिक्षकों के खाली पदों को भरने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

यूजीसी ने सभी विवि को खाली पद भरने को कहा : लविवि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि यूजीसी ने इस साल जनवरी में सभी विवि को अपने यहां की खाली सीटों को भरने के लिए जुलाई तक का समय दिया था। उसी के बाद से हम विवि में शिक्षकों के खाली पदों को लेकर प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी कर रहे थे लेकिन कोरोना संक्रमण के कारण यह प्रक्रिया में थोड़ी देरी हो गयी है। गुरुवार को लविवि की खाली पदों का विज्ञापन जारी कर ऑनलाइन आवेदन लिया जायेगा। इसके लिए एक अलग से पोर्टल भी बनाया गया हैं।

कुलपति प्रो. एसबी निमसे ने लविवि में खाली सभी पदों के सापेक्ष भर्ती प्रक्रिया शुरू किया था लेकिन उनके जाने के बाद नये कुलपति प्रो. एसपी सिंह के आने के बाद भर्ती प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी। दोनों कुलपति को मिलाकर 250 के सापेक्ष 100 पदों पर ही भर्ती हो सकी थी। इसके बाद पूर्व कुलपति प्रो. एसपी सिंह ने अपने कार्यकाल में दोबारा से भर्ती प्रक्रिया शुरू करने की कोशिश की लेकिन यूजीसी के नये रोस्टर सिस्टम के कारण यह प्रक्रिया नहीं शुरू हो सकती थी।

PIONEER PAGE 3

प्रोफेसर की भर्ती के लिए पहली बार होगी ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया

एलयू में भर्ती होंगे 180 गुरुजी

लंबे समय बाद लखनऊ यूनिवर्सिटी में भरे जाएंगे गुरुजी के पद

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW(16 Sept): लखनऊ यूनिवर्सिटी में शिक्षकों के खाली पद भरने की प्रक्रिया के लिए विज्ञापन गुरुवार को जारी किया जाएगा. एलयू में पहली बार शिक्षकों की भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू होगी. गौरतलब है कि यूनिवर्सिटी में अभी 180 शिक्षकों के पद खाली है, जिन्हें भरने के लिए बीते चार साल से प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी चल रही थी. वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि भर्तियों के लिए विज्ञापन 17 सितंबर को प्रकाशित किया जाएगा.

516 पद शासन से स्वीकृत

एलयू में 516 शिक्षकों के पद शासन से स्वीकृत थे, जिसमें 2016 के आते-आते 250 से अधिक पद खाली हो गए थे. तत्कालीन वीसी प्रो. एसबी निमसे ने भर्ती प्रक्रिया शुरू की लेकिन उनके जाने के बाद नए वीसी प्रो. एसपी सिंह के आने के बाद यह प्रक्रिया पूरी न हो सकी. दोनों वीसी के कार्यकाल में 250 पदों के सापेक्ष 100 पदों पर ही भर्ती हो सकी.

CONCEPT PIC

कोरोना के कारण इसमें देरी हो गई. अब गुरुवार को खाली पदों का विज्ञापन जारी कर दिया जाएगा और ऑनलाइन आवेदन लेने के लिए अलग से एक पोर्टल भी बनाया गया है.
प्रो. आलोक कुमार राय, वीसी, एलयू

516 पद एलयू में है शिक्षकों के
180 पद शिक्षकों के हैं खाली
38 पद प्रोफेसर्स के हैं खाली
80 पद असिस्टेंट प्रोफेसर्स के
62 पद एसोसिएट प्रोफेसर्स के

नियमों में फंस गई थी भर्ती

गौरतलब है कि पिछली बार शिक्षक भर्ती में यूजीसी के नए रोस्टर पर विवाद हो गया था. लोगों ने तीन चीजों को लेकर आपत्ति जताई थी. पहली आपत्ति आरक्षण के नियमों पर थी. वही दूसरी आपत्ति सवर्ण आरक्षण का लाभ किस तरह दिया जाए और तीसरी आपत्ति एसोसिएट प्रोफेसर और प्रोफेसर पदों पर ईडब्ल्यूएस को लाभ दिया जाए या नही दिया जाए इस पर थी. पिछले चार वर्षों में रोस्टर को लेकर विवाद नही सुलझ सका था. अब शासन ने रोस्टर के नियमों पर अपना रुख साफ कर दिया है.

लखनऊ यूनिवर्सिटी में बीते चार साल से टीचर्स भर्ती प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी चल रही थी.

यूजीसी ने खाली पद भरने के लिए कहा है

वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि यूजीसी ने इस साल जनवरी में खाली सीटों को भरने के लिए जुलाई तक का समय दिया था. हम पदों को भरने की प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी कर रहे थे लेकिन कोरेना के कारण इसमें देरी हो गई. अब गुरुवार को खाली पदों का विज्ञापन जारी कर दिया जाएगा और ऑनलाइन आवेदन लेने के लिए अलग से एक पोर्टल भी बनाया गया है.

TOI PAGE 2

लविवि में खाली पड़े 180 पदों पर भर्ती प्रक्रिया आज से

लखनऊ विश्वविद्यालय में बीते कई सालों से विभिन्न विभागों में खाली पड़े करीब 167 पदों पर शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया गुरुवार से शुरू हो सकती है। गुरुवार को प्रधानमंत्री के नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर विवि में भर्तियों से संबंधित विज्ञान जारी किया जाएगा।

लविवि के विभिन्न विभागों में वर्ष 2016 में करीब 250 पद खाली थे। तत्कालीन वीसी प्रो. एसबी निमसे ने भर्ती के लिए विज्ञापन निकाला था पर लगभग 100 पदों पर ही भर्ती हो सकी थी। उसके बाद से लविवि में भर्ती नहीं हुई। प्रवक्ता दुर्गेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि शासन से विवि में 516 पद स्वीकृत हैं, जिनमें विभिन्न विभागों में 180 पद खाली हैं।

दाखिले की सूची अगले हफ्ते

लविवि ने अभी तक अपनी स्नातक दाखिले के संबंध में पहली सूची भी नहीं निकाली है। जबकि, विवि से संबद्ध कई महाविद्यालयों में दाखिले की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। इस सत्र में 50 हजार से अधिक दाखिले के लिए आवेदन हुए हैं। प्रवक्ता दुर्गेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि दाखिले की सूची अगले सप्ताह जारी की जाएगी।

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पूर्व निर्धारित घोषणा के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में पूर्व संध्या पर बुधवार को लखनऊ विश्वविद्यालय ने रिक्त पदों पर शिक्षकों की भर्ती को लेकर विज्ञापन विवि की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है। इच्छुक अभ्यर्थी विवि की वेबसाइट पर कॅरियर पोर्टल पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

विवि में शिक्षकों के कुल 180 पद रिक्त हैं। इनमे असिस्टेंट प्रोफेसर के 80 पद और एसोसिएट प्रोफेसर के 62 पद तथा प्रोफेसर के 38 पद शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर एलयू के ओर से पहली बार शिक्षकों की भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इन्हें भरने के लिए बीते चार साल से प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी चल रही है। पर किसी न किसी कारण से यह प्रक्रिया रुक जा रही थी। वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने नई भर्ती प्रक्रिया के बारे में बताया कि इसमें उम्मीदवार बिना किसी समस्या के यूनिवर्सिटी में विज्ञापित पदों के लिए आवेदन कर सकेंगे। बता दें कि एलयू में सभी डिपार्टमेंट में कुल 516 शिक्षकों के पद शासन से स्वीकृत थे। जिसमें से करीब 250 से अधिक पद 2016 के आते आते खाली हो गए थे। तब तत्कालीन वीसी प्रो. एसबी निमसे ने एलयू में खाली सभी पदों के सापेक्ष भर्ती प्रक्रिया शुरू की थी। पर उनके जाने के बाद नए वीसी प्रो. एसपी सिंह के आने के बाद भर्ती प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी और 250 के सापेक्ष 100 पदों पर ही भर्ती हो सकी थी। इसके बाद पूर्व वीसी एसपी सिंह ने अपने कार्यकाल में दोबारा से भर्ती प्रक्रिया शुरू करने की कोशिश की। पर यूजीसी के नए रोस्टर सिस्टम के कारण यह प्रक्रिया नहीं शुरू हो सकती थी।

आज से विवि के एप पर शिक्षक लेंगे ऑनलाइन क्लास

विश्वविद्यालय के शिक्षक गुरुवार से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर स्लेट एप पर अपनी कक्षाएं शुरू करेंगे। इसके साथ ही सार्वजनिक उपयोग के लिए विवि का नया कंप्यूटर केंद्र खोला जाएगा।

LU to fill up 180 teaching posts vacant for three yrs

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Finally, Lucknow University will conduct recruitment for 180 teaching posts lying vacant in various departments for the past three years. The appointment process will start from Thursday with the university advertising the posts.

At present, there are 17,054 students but there are only 336 teachers though 516 posts are sanctioned, making the student-teacher ratio 1:50.

In the evaluation carried out by National Assessment Accreditation Council (NAAC), both permanent and contractual employees are counted to calculate student-teacher ratio. Even after adding 100 contractual employees to 336 permanent teachers, there were only 436 teachers for 17,054 students, making student-teacher ratio 1:39, while 1:20 is prescribed by the University Grants Commission.

Once the 180 posts are filled, LU will attain student-teacher ratio of 1:27, with total 616 contractual and permanent teachers for 17054 students.

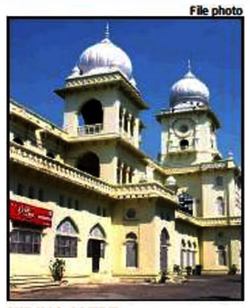

File photo

HIRING ALERT

"The ideal student-teacher ratio is 1:20, but in NAAC assessment 1:30 is also considered good," said an official.

The filling up of the vacant posts will hence also help the university score well in National Assessment Accreditation Council (NAAC) evaluation.

In 2014, LU had lost maximum marks in teaching, learning, and evaluation parameters of NAAC and was awarded a 'B' grade as more than half of the teaching posts were vacant.

Former vice-chancellors Prof. S B Nimse and Prof. S P Singh filled up over 100 posts, but still the vacant posts kept increasing due to retirements in the last three years.

The appointments will be for 80 vacant posts of assistant professor, 62 posts of associate professor and 38 posts of professor.

"On the occasion of the birthday of Prime Minister Narendra Modi, we are opening up job opportunities in the university. The finest and best teachers will be selected through a transparent system," said vice-chancellor Prof Alok Kumar Rai.

"We are soon going for NAAC re-accreditation and filling up posts will help us score better. We will first recruit assistant professors, then associate professors and then professors," he added.

NAAC grades universities on seven parameters carrying 1,000 marks. It includes curricular aspects, teaching, learning and evaluation, research, innovations and extension, infrastructure and learning resources, student support and progression, governance, leadership and management, and institutional values and best practices.

LU to start offering BSc (Hons) in next academic session

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: With Lucknow University (LU) deciding to offer BSc (Honours) from its next academic session, students wanting to pursue an undergraduate honours course in science wouldn't have to move out of the city or state for higher studies.

The varsity decided to start the course after getting a good response for both BA (Hons) and BCom (Hons). LU received 10,574 applications for 380 seats in BA (Hons) this year. For BCom (Hons), it received 10,889 applications for the 180 seats in BCom (Hons).

Meanwhile, it received 4,029 applications for 280 seats in BSc (biology) and 6,481 applications for 470 seats in BSc (mathematics).

"Given the interest shown by students while applying for BA (Hons) and BCom (Hons) and the large number of applications we receive for BSc every year, we have decided to introduce BSc (Hons) from the next session. The number of seats and other modalities of the course will be decided later after a meeting with the admissions team," said LU vice-chancellor Prof Alok Kumar Rai.

Students prefer honours courses as they are more intensive and job-oriented, he added.

LU also plans to offer an undergraduate course in pharmacy as it is an emerging field and has a lot of job potential. LU will shortly write to the Pharmacy Council of India for the required approval.